



उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड

(उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम)

शक्ति भवन, 14-अशोक मार्ग, लखनऊ

CIN: U32201UP1999SGC024928

पत्र सं०- 85-काठविंनी० एवं वे०प्र०-२९/पा०का०लि०/१८-१४-काठविंनी०/८७(टी०सी०-आर) दिनांक २५ जनवरी, २०१८

कार्यालय ज्ञाप

एतद्वारा उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�० के निदेशक मण्डल की १३६वीं बैठक दिनांक १७.०१.२०१८ में लिये गये निर्णय के अनुपालन में उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली - २०१३ (शासनादेश संख्या १४/१३/२/१९९७-का-१-२०१३ दिनांक ३०.१२.२०१३) एवं उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा (प्रथम संशोधन) नियमावली - २०१६ (शासनादेश संख्या १/२०१६/१३/२/१९९७-का/१-२०१६ दिनांक १७.०२.२०१६) (छायाप्रति संलग्न) की व्यवस्थाओं को कारपोरेशन की सेवाओं के परिप्रेक्ष्य में यथावत् लागू किया जाता है।

२. उपरोक्तानुसार संशोधित व्यवस्थायें तत्काल प्रभाव, अर्थात् आदेश निर्गमन की तिथि से प्रभावी होंगी। उपरोक्त के फलस्वरूप तत्संगत सेवा विनियमावलियों के प्राविधान उक्त सीमा तक संशोधित समझे जायेंगे।

संलग्नक-यथोपार्टी।

अध्यक्ष

निदेशक मण्डल की आज्ञा से,

संख्या: ८५ (१)-काठविंनी० एवं वे०प्र०-२९/पा०का०लि०/२०१८ तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

१. अध्यक्ष, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०, लखनऊ के निजी सचिव।
२. प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०, लखनऊ के निजी सचिव।
३. अध्यक्ष/प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि�०/उ०प्र० जल विद्युत निगम लि�०।
४. प्रबन्ध निदेशक, उ० प्र० पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लखनऊ के प्रमुख निजी सचिव।
५. प्रबन्ध निदेशक, केस्टो, कानपुर/पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि�०, वाराणसी/पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि�०, मेरठ/मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि�०, लखनऊ/दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लि�०, आगरा।
६. समस्त निदेशकगण, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०, शक्ति भवन लखनऊ।
७. समस्त मुख्य अभियन्ता (स्तर-१ एवं २), उ०प्र० पा०का०लि०/उ०प्र० पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि�०, लखनऊ।
८. समस्त मुख्य महाप्रबन्धक/महाप्रबन्धक/उपमहाप्रबन्धक, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०/उ०प्र० पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि�०।
९. मुख्य अभियन्ता (जल विद्युत), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।
१०. उप महाप्रबन्धक (लेखा-प्रशासन), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०, शक्ति भवन, लखनऊ।
११. समस्त अधीक्षण अभियन्ता, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि�०/उ०प्र० पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लि�०।
१२. अपर पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० पा०का०लि०, शक्ति भवन विस्तार, लखनऊ।

(क्रमांक:२)

13. अध्यक्ष, विद्युत सेवा आयोग, एस०एल०डी०सी० परिसर, विभूति स्वण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।
14. समस्त अधिशासी अभियन्ता, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि।
15. समस्त उप मुख्य लेखाधिकारी/क्षेत्रीय लेखाधिकारी, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि।
16. सचिव, उ०प्र० राज्य ऊर्जा कार्मिक न्यास, शक्ति भवन, लखनऊ।
17. अनु सचिव (स०प्र०-लेखा), उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, शक्ति भवन, लखनऊ।
18. लेखाधिकारी (वेतन एवं लेखा), केन्द्रीय लेखा कार्यालय, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, लखनऊ।
19. समस्त अधिकारी, कारपोरेशन मुख्यालय, शक्ति भवन, लखनऊ।
20. कम्पनी सचिव, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, शक्ति भवन, लखनऊ को निदेशक मण्डल की दिनांक 17.01.2018 को सम्बन्ध 136(05)वीं बैठक में लिये गये निर्णय के अनुपालन में।
21. अधिशासी अभियन्ता (वेब), कक्ष सं०-४०७, शक्ति भवन, लखनऊ को उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि० की वेबसाईट www.uppcl.org पर अपलोड करने हेतु।

(राकेश भट्ट)
अनु सचिव (कार्यालयी)

✓ संख्या: 85 (11)-का०वि०नी० एवं व०प्र०-२९/पा०का०लि०/२०१८ तद॒दिनांक।

प्रतिलिपि जन सम्पर्क / विज्ञापन अधिकारी, उ०प्र० पावर कारपोरेशन लि०, शक्ति भवन, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि उक्त विनियमावली को समाचार पत्रों (हिन्दी दैनिक जागरण/हिन्दुस्तान एवं टाईम्स ऑफ इण्डिया अंग्रेजी के लखनऊ संस्करण) में अधिसूचित कराते हुए अनुभाग को सूचित करने का कष्ट करें।

(राकेश भट्ट)
अनु सचिव (कार्यालयी)

उत्तर प्रदेश शासन
कानूनिक अनुभाग-1
संख्या-14/13/2/1997-का-1-2013
लखनऊ :: दिनांक 30 दिसम्बर, 2013

दिनांक 30 दिसम्बर, 2013 को प्रछयापित "उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक पारदौक्षा नियमाघाली, 2013" की प्रति निम्नलिखित को सूचनाथे एवं आवश्यक कार्यवाही हनु प्रेपित -

- 1 समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तर प्रदेश शासन।
- 2 समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष, उत्तर प्रदेश।
- 3 समस्त मण्डलायुक्त/जिल्लाधिकारी, उत्तर प्रदेश।
- 4 प्रमुख सचिव, राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश।
- 5 महाप्रियकरा, उत्तर प्रदेश।
- 6 प्रमुख सचिव, विधान सभा/विधान परिषद, उत्तर प्रदेश।
- 7 सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।
- 8 सचिव, राजस्व परिषद, उत्तर प्रदेश।
- 9 मीडिया सत्ताहकार, मा० मुख्यमंत्री जी।
- 10 निदेशक, सूचना विभाग, उत्तर प्रदेश।
- 11 वेव मास्टर/वेव अधिकारी, नियुक्ति विभाग, ३०८० शासन को नियुक्ति एवं कानूनिक विभाग की वेवसाइट पर अपलोड कराने वे प्रयोजनाथे प्रेपित।
- 12 सचिवालय के समस्त अनुभाग।

आज्ञा से
ह०/-
(योगेश चन्द्र)
संयुक्त सचिव।

उत्तर प्रदेश शासन

कार्मिक अनुभाग-1

संख्या-14/13/2/1997-का-1-2013

लखनऊ :: दिनांक 30 दिसम्बर, 2013

अधिसूचना

प्रकाशन

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके, राज्यपाल, निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली, 2013

संक्षिप्त नाम, 1. (1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली, प्रारम्भ और लागू 2013 कही जायेगी।

होना

(2) यह तुरन्त पूर्वत होगी।

(3) यह उन सभी व्यक्तियों पर लागू होगी जो उत्तर प्रदेश के कार्यक्रमालयों के सम्बन्ध में कोई सिविल पट धारण करते हैं और जो संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल के नियम बनाने के नियंत्रणाधीन हों।

अध्यारोही 2. इस नियमावली के उपर्युक्त संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक के अधीन राज्यपाल द्वारा बनाए गए किन्ही अन्य नियमों या तत्समय प्रयत्न आदेशों में किसी प्रतिकूल बात के होते हुए भी प्रभावी होंगे।

प्रभाव 3. जब तक कि विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में,

(क) किसी पट या सेवा के सम्बन्ध में "नियुक्ति प्राप्तिकारी" का तात्पर्य सुसंगत सेवा नियमावली या सरकार द्वारा जारी किए गए कार्यपालक अनुदेशों के अधीन ऐसे पद पर या सेवा में नियुक्ति करने के लिए सशक्त प्राप्तिकारी से है;

(ख) "संविधान" का तात्पर्य "भारत का संविधान" से है;

(ग) "संवर्ग" का तात्पर्य किसी सेवा की या पृथक इकाई के रूप में स्वीकृत, सेवा के किसी भाग की सदस्य संख्या से है;

(घ) "सरकार" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश की सरकार से है;

(ङ.) "राज्यपाल" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश के राज्यपाल से है;

(घ) "सरकारी सेवक" का तात्पर्य उत्तर प्रदेश राज्य वे कार्यक्रमों के सम्बन्ध में किसी लोक सेवा या पद पर नियुक्त किसी व्यक्ति से है;

(छ) "सेवा" का तात्पर्य सुसंगत सेवा नियमावली या सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए कार्यपालक अनुदेशों में दर्था परिभाषित सेवा से है;

(ज) "मौलिक नियुक्ति" का तात्पर्य सेवा वे संघर्ष में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति में है जो तदर्थे नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात् की गई हो, और यदि कोई तियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किए गए कार्यपालक अनुदेशों द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात् की गई हो।

(१) सीधी भती के माध्यम से, किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त विस्तीर्ण व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जाएगा। नियुक्ति प्राधिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित विद्ये जाने वाले कारणों से वह दिनांक, जब तक के लिये अवधि बढ़ाई जाय, विनिर्दिष्ट करते हुए परिवीक्षा अवधि का बढ़ा सकता है:

परन्तु यह कि, आपवादिक स्थितियों को छोड़कर परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

(२) भती के सोतों में से एक यदि सीधी भती है, तो पदोन्नति द्वारा किसी पद पर मौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जाएगा। नियुक्ति प्राधिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित विद्ये जाने वाले कारणों से वह दिनांक, जब तक के लिये अवधि बढ़ाई जाय, विनिर्दिष्ट करते हुए परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है:

परन्तु यह कि, आपवादिक स्थितियों को छोड़कर परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी और किसी भी परिस्थिति में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

(३) सुसंगत सेवा नियमावली में विहित प्रक्रिया के अनुसरण में किसी पद पर समायोजन, आमेलन या संविलियन द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति को एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जाएगा। नियुक्ति प्राधिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित

किये जाने वाले कारणों से यह दिनांक, जब तक के लिये अवधि बढ़ाई जाय, विनिमित्प करते हुए परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है:

परन्तु यह कि, आपवादिक स्थितियों को छोड़कर परिवीक्षा अवधि उमाह से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी और किसी भी परिस्थिति में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

(4) जहाँ भर्ती का स्रोत केवल पदोन्नति है, किसी पद पर, यदि पद भिन्न सेवा या समूह का है, मौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति को एक वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जाएगा। नियुक्ति प्राप्तिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित किये जाने वाले कारणों से यह दिनांक, जब तक के लिये अवधि बढ़ाई जाय, विनिमित्प करते हुए परिवीक्षा अवधि को बढ़ा सकता है:

परन्तु यह कि, आपवादिक स्थितियों को छोड़कर, परिवीक्षा अवधि उमाह से अधिक और किसी भी परिस्थिति में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाई जाएगी।

परिवीक्षा,	5.	किसी व्यक्ति को परिवीक्षा पर रखना आवश्यक न होगा यदि उसे उसी समूह के किसी पद पर, जहाँ भर्ती का स्रोत केवल पदोन्नति है, विहित प्रक्रिया का अनुसरण करने के पश्चात् नियमित आधार पर पदोन्नत किया गया है।
जहाँ		
आवश्यक न हो		
पद, जिन पर	6	यह नियमावली यहाँ नहीं लागू होगी जहाँ नियुक्तिया ऐसे अधिष्ठानों के अधीन पदों पर की गई है, जिनका सृजन एक निश्चित एवं पूर्णतः अस्थायी अवधि के लिये किया गया है, यथा-समितिया, जाच आयोग, आपात विशेष से तिपटने के लिये सृजित किये गए संगठन, जिनके कुछ वर्षों से अधिक बने रहने की आशा नहीं है, विनिमित्प अवधि हेतु परियोजनाओं के लिये सृजित पद और पूर्णतः अस्थायी संगठन।
यह		
नियमावली		
लागू न होगी		

आज्ञा से.

५०/-

(राजीव कुमार)

प्रमुख सचिव।

उत्तर प्रदेश शासन
वार्षिक अनुभाग-1
संख्या-1/2016/13/2/1997-का-1-2016
लखनऊ :: दिनांक 17 फरवरी, 2016

अधिसंचान

पर्याप्त

संविधान के अनुच्छेद 305 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शासन का एयोग बारें, राज्यपाल, "उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली, 2013" में संशोधन दर्शन की रूप से निम्नलिखित नियमावली दर्ज है :-

उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2016

संक्षिप्त नाम 1. और प्रारम्भ	(1) यह नियमावली "उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा (प्रथम संशोधन) नियमावली, 2016" कही जायेगी। (2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी।	स्तम्भ-1 विधमान नियम	स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम
नियम 4 का 2. प्रतिस्थापन	"उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक परिवीक्षा नियमावली, 2013" में जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, नीचे स्तम्भ 1 के दिये गये, विधमान नियम 4 के स्थान पर स्तम्भ 2 के दिये गये, नियम रख दिया जायेगा, अर्थात् :-		
परिवीक्षा जहां आवश्यक हो	4-(1) साधी भर्ती के परिवीक्षा माध्यम से, किसी पट जहां पर सौलिक रूप से आवश्यक नियुक्त किसी व्यक्ति हो को टो घर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायेगा। नियुक्त प्राधिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से वह दिनांक, जब तक के लिए अवधि बढ़ाई	4-(1) साधी भर्ती के माध्यम से, किसी पट पर सौलिक रूप से नियुक्त किसी व्यक्ति को टो घर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जायेगा। नियुक्त प्राधिकारी, व्यक्तिगत मामलों में, अभिलिखित किए जाने वाले कारणों से वह दिनांक, जब तक के लिए अवधि बढ़ाई	

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रॉनिकले जरी किया गया है, अतः इस पर स्वाक्षर यी आपराधिकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता एवं राहट <http://shasanaeorsh.unojn.in> से सत्यापित यी जा सकती है।

जाय, विनिर्दिष्ट करते
हुए परिवेश अवधि को
बढ़ा सकता है :

परन्तु यह कि,
आपवादिक स्थितियों
को छोड़कर परिवेश
अवधि एक वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई
जायेगी और यिसी भी
परिस्थिति ने दो वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई
जायेगी।

(2) भर्ती ये स्रोतों में
से एक यदि सीधी भर्ती
है, तो पठोन्नति हारा
यिसी पट पर 'मौलिक'
रूप से तियुक्त किसी
व्यक्ति को दो वर्ष की
अवधि, ये तिये
परिवेश पर रखा
जायेगा। तियुक्त
प्राधिकारी, व्यक्तिगत
मामलों में, अभिलिखित
किये जाने याने कारणों
से यह दिनांक, जब तक
ये लिये अवधि बढ़ाई
जाय, विनिर्दिष्ट करते
हुये परिवेश अवधि को
बढ़ा सकता है :

परन्तु यह कि,
आपवादिक स्थितियों
को छोड़कर परिवेश
अवधि एक वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई

जाय, विनिर्दिष्ट करते
हुए परिवेश अवधि को
बढ़ा सकता है :

परन्तु यह कि,
आपवादिक स्थितियों
को छोड़कर परिवेश
अवधि एक वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई
जायेगी और यिसी भी
परिस्थिति ने दो वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई
जायेगी।

(2) भर्ती ये स्रोतों में
से एक यदि सीधी भर्ती
है, तो पठोन्नति हारा
यिसी पट पर मौलिक
रूप से तियुक्त किसी
व्यक्ति को दो वर्ष दी
अवधि ये तिये
परिवेश पर रखा
जायेगा। तियुक्त
प्राधिकारी, व्यक्तिगत
मामलों में, अभिलिखित
किये जाने याने कारणों
से यह दिनांक, जब तक
ये लिये अवधि बढ़ाई
जाय, विनिर्दिष्ट करते
हुये परिवेश अवधि को
बढ़ा सकता है :

परन्तु यह कि,
आपवादिक स्थितियों
को छोड़कर परिवेश
अवधि एक वर्ष से
अधिक नहीं बढ़ाई

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रनिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है।

2- इस शासनादेश की घमाणिकता ऐड साइट <http://shasanaadesh.up.nic.in> से सत्यापित की जा सकती है।

जायेगी और किसी भी परिस्थिति में टो घर से अधिक तहाँ बढ़ाई जायेगी।

(3) सुसंगत संवा नियमावली वो विद्युत प्रक्रिया वो अनुसरण में किसी पद पर समायोजन, आनंदलता या संविलयन हारा नियुक्त किसी व्यक्ति को एवं घर वाँ की अवधि को लिये परिवाक्षा पर रखा जायेगा। नियुक्त प्रधिकारी, व्यक्तिगत मानसिकता अभिलिखित किये जाने वाले कारण से यह दिनांक, जब तक वो लिये "अवधि बढ़ाई जाय, विनिर्दिष्ट वरते हुये परिवाक्षा अवधि को बढ़ा सकता है;

परन्तु यह वो आपवादिव स्थितियों को छोड़कर परिवाक्षा अवधि उँ माह से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी और किसी भी परिस्थिति में एक घर से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।

(4) जहाँ भर्ती का स्रोत केवल पटोन्नति है, किसी पद पर, यदि पद

जायेगी और किसी भी परिस्थिति में टो घर से अधिक तहाँ बढ़ाई जायेगी।

(3) सुसंगत संवा नियमावली वो विद्युत प्रक्रिया वो अनुसरण में किसी पद पर समायोजन, आनंदलता या संविलयन "हारा नियुक्त किसी" व्यक्ति को एवं घर वाँ की अवधि के लिये परिवाक्षा पर रखा जायेगा। नियुक्त प्रधिकारी, व्यक्तिगत मानसिकता अभिलिखित किये जाने वाले कारण से यह दिनांक, जब तक वो लिये अवधि बढ़ाई जाय, विनिर्दिष्ट वरते हुये परिवाक्षा अवधि को बढ़ा सकता है;

परन्तु यह वो आपवादिव स्थितियों को छोड़कर परिवाक्षा अवधि उँ माह से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी और किसी भी परिस्थिति में एक घर से अधिक नहीं बढ़ाई जायेगी।

2. यह शासनादेश इलेक्ट्रनिकले जारी किया गया है, अतः इस पर स्वतंत्रता की आवश्यकता नहीं है।

2. इस शासनादेश द्वारा प्रमाणिकता देने साथ <http://shasanaportal.up.nic.in> से सत्यापित ही जा सकती है।

नियम सेवा या सकृदान्त
 को रै, मौलिक रूप से
 लियुष्ट किसी व्यक्ति
 को एक घर वी अधिक
 के लिए परिवाहा पर
 रखा जायेगा। नियम
 प्राप्तिकारी, व्यक्तिगत
 मानलों में, अभिलिखित
 विद्ये जाते थाले कारण
 गे यह दिलाक, जब तक
 वे विद्ये अधिक बढ़ाएं
 जाय, विनिर्दिष्ट करते
 हुए परिवाहा अधिक वा
 धा सकाता है।
 परन्तु यह वि-
 आपवादिय, स्थितिया
 वो छोड़वार परिवाहा
 अधिक और गाह से
 अधिक और छिसी भी
 परिस्थिति में एवं यह
 से अधिक नहीं बढ़ाएं
 जायेगा।

उपर नियमावली में तीचे स्तम्भ 1 में दिये गये विधमान नियम
 5 के स्थान पर स्तम्भ 2 में दिया गया नियम रख दिया
 जायेगा, अर्थात् :-

स्तम्भ-1 विधमान नियम

परिवाहा
जहां
आवश्यक न हो

5-किसी व्यक्ति को परिवाहा
 परिवाहा पर रखना जहां
 आवश्यक न होगा यदि आवश्यक
 उसे उसी समूह के किसी न हो
 पद पर, जहां भी का
 सोत केवल पदोन्नति है,

स्तम्भ-2 एतद्वारा प्रतिस्थापित

नियम
5-किसी व्यक्ति को
परिवाहा पर रखना
आवश्यक न होगा
यदि उसे किसी ऐसे
पद पर पदोन्नति
किया गया है, जहां

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रॉनिकलो जारी किया गया है, अतः इस पर स्वतंत्र वी आवश्यकता नहीं है।

2. इस शासनादेश की प्रकाशिकाता यह साइट <http://shasanaadeshvp.nic.in> से सत्यापित की जा सकती है।

विहित प्रक्रिया का
अनुसरण बरने के पश्चात
नियमित आधार पर
पदोन्नति किया गया है।

भर्ती वा संत सेवल
पदोन्नति है।

आज्ञा से,
राजीव युनार
प्रमुख सचिव।

1. यह शासनादेश इलेक्ट्रॉनिकल जरूरी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर दी आवश्यकता नहीं है।
2. इस शासनादेश की प्रमाणिकता द्वाट साइट <http://shasanadesh.un.nic.in> से सत्यापित की जा सकती है।